International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत में आय अस्थिरता और उपभोक्ता व्यय व्यवहार पर अध्ययन

डॉ0 ज्योति शर्मा (अर्थशास्त्र विभाग)

Phy. Research Paper-Accepted Dt. 15 July 2023 **Published** : Dt. 30 sept. 2023

सारांश– इस शोध पत्र में, हमने भारत में उपभोक्ता खर्च व्यवहार पर आय की अस्थिरता के प्रभाव पर एक अध्ययन किया है। आय की अस्थिरता का तात्पर्य समय के साथ व्यक्तियों या परिवारों द्वारा अनुभव किए गए आय स्तरों में उतार–चढ़ाव या अस्थिरता से है। यह घटना भारत के संदर्भ में विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहां आय असमानताएं और आर्थिक उतार–चढ़ाव प्रचलित हैं।

हमारे अध्ययन का उद्देश्य यह जांच करना था कि भारत के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में परिवारों के बीच आय के स्तर में भिन्नता उपभोक्ता खर्च पैटर्न और व्यय निर्णयों को कैसे प्रभावित करती है। शहरी परिवार, विशेष रूप से, ग्रामीण परिवारों की तुलना में आय में उतार–चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। आय अस्थिरता की अवधि के दौरान, परिवार विवेकाधीन खर्चों में कटौती करते हुए आवश्यक खर्चों को प्राथमिकता देते हैं। इसके अतिरिक्त, आय के झटकों के कारण अक्सर उपभोग स्तर को बनाए रखने के लिए बचत या अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भरता बढ़ जाती है। भारत में वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने और घरेलू कल्याण को बढ़ाने के लिए प्रभावी रणनीति विकसित करने के लिए नीति निर्माताओं और हितधारकों के लिए आय की अस्थिरता की गतिशीलता और उपभोक्ता खर्च व्यवहार पर इसके प्रभाव को समझना महत्वपूर्ण है। आय अस्थिरता से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करके, हम सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और देश भर में परिवारों की भलाई में सुधार लाने की दिशा में काम कर सकत हैं।

शब्दकुंजी– आय में अस्थिरता, उपभोक्ता व्यय व्यवहार, शहरी परिवार, ग्रामीण परिवार, आर्थिक उतार–चढ़ाव, घरेलू सर्वेक्षण, आवश्यक खर्चे, विवेकाधीन खर्च, वित्तीय स्थिरता आदि।

प्रस्तावना– आय में अस्थिरता, जो समय के साथ कमाई में उतार–चढाव की विशेषता है, भारत सहित कई अर्थव्यवस्थाओं में एक प्रचलित घटना है। यह अध्ययन भारत के शहरी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता खर्च व्यवहार पर आय अस्थिरता के प्रभाव की जांच करता है। घरेलू सर्वेक्षणों और आर्थिक संकेतकों के आंकड़ों के आधार पर, शोध यह जांच करता है कि आय के स्तर में भिन्नता भारतीय परिवारों के बीच उपभोग पैटर्न और व्यय निर्णयों को कैसे प्रभावित करती है। निष्कर्ष बताते हैं कि आय की अस्थिरता भारत में उपभोक्ता खर्च व्यवहार को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है। शहरी परिवार, विशष रूप से, ग्रामीण समकक्षों की तुलना में आय में उतार–चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशीलता प्रदर्शित करते हैं। आय अस्थिरता की अवधि के दौरान, परिवार मनोरंजन और अवकाश गतिविधियों जैसी विवेकाधीन वस्तुओं पर व्यय को कम करते हुए भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसी आवश्यक वस्तुओं को प्राथमिकता देकर अपने खर्च पैटर्न को समायोजित करते हैं। इसके अलावा, आय के झटके अक्सर उपभोग स्तर को बनाए रखने के लिए बचत, उधार या अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भरता को बढ़ाते हैं, जो आय अस्थिरता की अवधि के दौरान परिवारों द्वारा अनुभव किए गए वित्तीय तनाव को उजागर करता है। इसके अलावा, अध्ययन उपभोक्ता खर्च व्यवहार पर आय की अस्थिरता के प्रभाव को कम करने में घरेलू आय स्तर, शिक्षा और रोजगार की स्थिति जैसे सामाजिक आर्थिक कारकों की भूमिका का पता लगाता है। यह कम आय वाले परिवारों और अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों जैसे कमजोर समूहों की पहचान करता है, जो आय में उतार–चढ़ाव से असमान रूप से प्रभावित होते हैं और अपने वित्त के प्रबंधन और उपभोग स्तर को बनाए रखने में अधिक चुनौतियों का सामना करते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य–

1 भारत में आय अस्थिरता के प्रमुख कारणों का विश्लेषण करना।
2 उपभोक्ता व्यय व्यवहार पर आय अस्थिरता के प्रभाव को मापने और विश्लेषण करना।
3 भारतीय उपभोक्ता के विभिन्न वर्गों के बीच आय अस्थिरता के प्रभाव का अध्ययन करना।

भारत में आय अस्थिरता की वर्तमान स्थिति

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत में आय अस्थिरता की वर्तमान स्थिति उत्पन्न होती है कि किसी निश्चित अवधि के दौरान व्यक्तियों या घरों द्वारा आय स्तरों में परिवर्तन या विचलन का अनुभव किया जाता है। भारत में आय अस्थिरता कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे आर्थिक स्थितियां, रोजगार के पैटर्न, मौसमी विविधताएं, और सरकारी नीतियां। व्यक्तियों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले आय अस्थिरता के वर्तमान स्थिति को समझना महत्वपूर्ण है।

भारत में आय अस्थिरता की वर्तमान स्थिति को व्याख्यात करने के लिए हम दो कल्पना के अधार पर दो परिवारों को विचार करेंगे–

घरेलू परिवार क–

मासिक आय– 40,000

आय के स्रोत– औपचारिक क्षेत्र में स्थिर नौकरी से वेतन

स्थिरता– सामयिक बोनस या प्रोत्साहन के कारण मामूली उतार–चढ़ाव के साथ अपेक्षाकृत स्थिर आय

उदाहरण– परिवार ए का प्राथमिक कमाने वाला एक बहुराष्ट्रीय निगम में स्थिर नौकरी पर काम करता है, और 40,000 का निश्चित मासिक वेतन कमाता है। हालांकि कभी–कभार बोनस या प्रोत्साहन के कारण आय में थोड़ा अंतर हो सकता है, लेकिन उनकी आय की समग्र स्थिरता सुसंगत रहती है।

घरेलू परिवार बी

मासिक आय– परिवर्तनीय, 15,000 से 30,000 तक

आय के स्रोत– अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों जैसे दैनिक मजदूरी या लघु उद्यमिता से अनियमित आय

स्थिरता– मौसमी मांग, बाजार की स्थितियों और काम के अवसरों की उपलब्धता जैसे कारकों के आधार पर कमाई में महत्वपूर्ण उतार–चढ़ाव के साथ उच्च आय अस्थिरता

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उदाहरण– परिवार बी अनौपचारिक क्षेत्र की गतिविधियों से अनियमित आय पर निर्भर करता है, जैसे दैनिक वेतन श्रम या लघु–स्तरीय उद्यमिता। उनकी मासिक कमाई में व्यापक रूप से उतार–चढ़ाव होता है, जो कम अवधि के दौरान 15,000 से लेकर पीक सीजन के दौरान 30,000 तक या जब उनकी सेवाओं की मांग अधिक होती है।

भारत में आय की अस्थिरता की वर्तमान स्थिति को दर्शाने वाली तालिका–

परिवार	मा सक आय (रूपये में)	आय के स्रोत	स्थिरता
क	40000 रूपये	वेतन	सामान्य स्थिरता
ख	बदलती है ;15000 रूपयें, 30000 रूप्यें	अस्थिर उपार्जन	उच्च अस्थिरता

यह तालिका उनकी मासिक आय, आय के स्रोत और स्थिरता के संदर्भ में दो परिवारों का तुलनात्मक विश्लेषण प्रदान करती है, जो आय की अस्थिरता के कारण भारत में परिवारों द्वारा अनुभव किए गए आय स्तरों में परिवर्तनशीलता पर प्रकाश डालती है।

उपभोक्ता उपभोक्ता व्यवहार के प्रमुख आयाम–

- **आय स्तर–**

  उपभोक्ता खर्च का व्यवहार आय के स्तर से काफी प्रभावित होता है। उच्च आय वाले व्यक्ति अपने बजट का अधिक हिस्सा विवेकाधीन खरीदारी, जैसे विलासिता की वस्तुओं और सेवाओं के लिए आवंटित करते हैं, जबकि कम आय वाले व्यक्ति भोजन, आवास और स्वास्थ्य देखभाल जैसी आवश्यक वस्तुओं को प्राथमिकता देते हैं।

- **आर्थिक स्थितियां–**

  मुद्रास्फीति, ब्याज दरें और बेरोजगारी दर जैसे आर्थिक कारक उपभोक्ता विश्वास और क्रय शक्ति को प्रभावित करते हैं। आर्थिक मंदी की अवधि के दौरान, उपभोक्ता गैर–जरूरी खर्चों में कटौती कर सकते हैं और बचत या कर्ज चुकाने को प्राथमिकता दे सकते हैं।

- **प्राथमिकताएँ और जीवनशैली**

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

व्यक्तिगत प्राथमिकताएँ और जीवनशैली विकल्प उपभोक्ता के खर्च व्यवहार को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कुछ उपभोक्ता भौतिक संपत्ति से अधिक अनुभवों को प्राथमिकता देते हैं, जिससे यात्रा, बाहर भोजन करने और मनोरंजन पर खर्च बढ़ जाता है।

- **जनसांख्यिकी**

आयु, लिंग, घरेलू आकार और वैवाहिक स्थिति जैसे जनसांख्यिकीय कारक उपभोक्ता खर्च पैटर्न को प्रभावित करते हैं। उदाहरण के लिए, युवा वयस्क अपनी आय का अधिक हिस्सा विवेकाधीन खरीदारी के लिए आवंटित कर सकते हैं, जबकि बच्चों वाले परिवार शिक्षा और बच्चों की देखभाल पर खर्च को प्राथमिकता देते हैं।

- **सांस्कृतिक और सामाजिक प्रभाव**

सांस्कृतिक मानदंड, सामाजिक रुझान और साथियों का प्रभाव उपभोक्ता व्यवहार पर प्रभाव डालता है। सोशल मीडिया और विज्ञापन उपभोक्ता की प्राथमिकताओं को आकार देने और खरीदारी संबंधी निर्णय लेने म महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

- **प्रौद्योगिकी प्रगति**

तकनीकी नवाचारों और प्रगति ने उपभोक्ता के खर्च करने के व्यवहार को बदल दिया है, खासकर ई–कॉमर्स, डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन शॉपिंग में। सुविधा, पहुंच और वैयक्तिकृत खरीदारी अनुभव डिजिटल युग में उपभोक्ता व्यवहार के प्रमुख चालक हैं।

- **वित्तीय साक्षरता और जागरूकता**

वित्तीय मामलों, बजट और बचत के बारे में उपभोक्ता का ज्ञान और जागरूकता खर्च व्यवहार को प्रभावित करती है। वित्तीय रूप से साक्षर उपभोक्ताओं में सोच–समझकर निर्णय लेने, दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकता देने और आवेगपूर्ण खर्च का विरोध करने की अधिक संभावना होती है।

उपभोक्ता खर्च व्यवहार पर प्रभाव–

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आय की अस्थिरता उपभोक्ता के खर्च व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालती है। जब व्यक्ति अपनी आय के स्तर में उतार–चढ़ाव का अनुभव करते हैं, तो यह अक्सर उनके खर्च पैटर्न में समायोजन की ओर ले जाता है। आय अस्थिरता की अवधि के दौरान, उपभोक्ता भोजन, आवास और स्वास्थ्य देखभाल जैसे आवश्यक व्यय को प्राथमिकता देते हैं, जबकि अवकाश गतिविधियों या विलासिता के सामान जैसी गैर–आवश्यक वस्तुओं पर विवेकाधीन खर्च को कम करते हैं। यह प्रवृत्ति वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और अनिश्चितता के समय में बुनियादी जरूरतों को पूरा करने की आवश्यकता से प्रेरित है।

उदाहरण के लिए, नौकरी छूटने या काम के घंटे कम होने के कारण आय में कमी का अनुभव करने वाला एक परिवार गैर–जरूरी खर्चों जैसे कि बाहर खाना खाने या मनोरंजन खर्चों में कटौती कर सकता है। इसी तरह, अनियमित आय धाराओं का सामना करने वाले व्यक्ति, जैसे कि फ्रीलांसर या मौसमी कर्मचारी, भविष्य की अनिश्चितताओं के लिए अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा बचाकर, खर्च करने के लिए अधिक सतर्क दृष्टिकोण अपना सकते हैं।

आय की अस्थिरता उपभोक्ता विश्वास और वित्तीय नियोजन को भी प्रभावित करती है। भविष्य के आय स्तरों के बारे में अनिश्चितता व्यक्तियों को अधिक रूढ़िवादी खर्च करने की आदतों को अपनाने, बड़ी खरीदारी या दीर्घकालिक वित्तीय प्रतिबद्धताओं से बचने के लिए प्रेरित कर सकती है। इसके अलावा, लगातार आय में अस्थिरता वित्तीय तनाव और चिंता में योगदान कर सकती है, जिससे समग्र कल्याण और जीवन की गुणवत्ता प्रभावित हा सकती है।

श्रम बाजारों और आर्थिक स्थितियों पर प्रभाव

आय की अस्थिरता का श्रम बाजारों और समग्र आर्थिक स्थिरता पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। आय के स्तर में उतार–चढ़ाव रोजगार पैटर्न, वेतन वृद्धि और नौकरी सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। अनियमित रोजगार अवसरों या मौसमी मांग वाले क्षेत्रों में, आय में अस्थिरता बेरोजगारी और अल्परोजगार की उच्च दर में योगदान कर सकती है। इसके

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

अलावा, आय अस्थिरता आय असमानता को बढ़ा सकती है, क्योंकि अनियमित या कम आय वाले व्यक्ति आर्थिक झटके और उतार–चढ़ाव के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

व्यक्तिगत श्रमिकों को प्रभावित करने के अलावा, आय की अस्थिरता व्यवसायों और उद्योगों को भी प्रभावित कर सकती है। आय में उच्च स्तर की अस्थिरता से उपभोक्ता मांग में उतार–चढ़ाव हो सकता है, जिससे व्यवसायों की बिक्री और लाभप्रदता प्रभावित हो सकती है। जवाब में, कंपनियां भर्ती प्रथाओं को समायोजित कर सकती हैं, कर्मचारियों को कम कर सकती हैं या श्रम लागत का प्रबंधन करने के लिए अस्थायी या अनुबंध श्रमिकों पर अधिक भरोसा कर सकती हैं।

इसके अलावा, आय की अस्थिरता का व्यापक आर्थिक प्रभाव हो सकता है, जो उपभोग, निवेश और आर्थिक विकास जैसे कारकों को प्रभावित कर सकता है। लगातार आय में अस्थिरता उपभोक्ता विश्वास और खर्च को कम कर सकती है, जिससे वस्तुओं और सेवाओं की मांग कम हो सकती है। इसका पूरी अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ सकता है, जिससे व्यवसाय, निवेश निर्णय और समग्र आर्थिक प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है।

आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय पर प्रभाव

आय की अस्थिरता का आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय पर व्यापक प्रभाव हो सकता है। अपर्याप्त आय स्थिरता व्यक्तियों की बचत जमा करने, शिक्षा और कौशल विकास में निवेश करने या व्यवसाय शुरू करने की क्षमता में बाधा डाल सकती है, जिससे ऊपर की ओर गतिशीलता और आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर सीमित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आय की अस्थिरता संसाधनों और अवसरों तक पहुंच में सामाजिक असमानताओं और असमानताओं को बढ़ा सकती है, जिससे हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित हो सकते हैं।

इसके अलावा, आय की अस्थिरता कमजोर आबादी की सहायता के लिए डिजाइन किए गए सामाजिक सुरक्षा जाल और सहायता प्रणालियों को प्रभावित कर सकती है। आय में अस्थिरता का अनुभव करने वाले व्यक्तियों को सरकारी सहायता कार्यक्रमों या वित्तीय

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सेवाओं तक पहुँचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे वित्तीय असुरक्षा और सामाजिक बहिष्कार बढ़ सकता है।

नतीजे और विश्लेषण–

1. आय अस्थिरता के प्रमुख परिणाम–

आय अस्थिरता कई महत्वपूर्ण परिणामों का सामना करती है जो व्यक्तियों, घरों और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालते हैं। कुछ प्रमुख परिणाम निम्नलिखित हैं–

- घरों के बीच वृद्धि और असमंता का बढ़ना।
- उपभोक्ता व्यय व्यवहार में परिवर्तन, आवश्यक वस्त्रों पर प्राथमिकता और अल्प खर्च आइटमों पर खर्च में कमी का बढ़ना।
- भविष्य के आय विचलनों के खिलाफ संरक्षणात्मक बचत का उच्च स्तर।
- श्रम बाजार गतिविधियों पर प्रभाव, अनियमित आय के अवसरों वाले क्षेत्रों में बढ़ते बेरोजगारी और अवरोध।
- उपभोक्ता आत्मविश्वास और आर्थिक अनिश्चितता में घटना, निवेश और आर्थिक विकास के लिए कम भरोसा।

2. उपभोक्ता व्यय व्यवहार में बदलाव के प्रमुख कारण–

आय अस्थिरता के कारण उपभोक्ता व्यय व्यवहार में परिवर्तनों के कई प्रमुख कारण होते हैं। कुछ प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं–

- आय स्तरों में विचलन, जो सीधे घरों की वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च करने की क्षमता पर प्रभाव डालता है।
- महंगाई, ब्याज दरें और बेरोजगारी जैसे आर्थिक स्थितियां, जो उपभोक्ता आत्मविश्वास और खरीदारी क्षमता पर प्रभाव डालती हैं।
- व्यक्तिगत पसंद और जीवनशैली के चयन, जो व्यय की प्राथमिकताओं और संसाधनों का विनियोजन निर्धारित करते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

- प्रौद्योगिकी नवाचार और उपभोक्ता व्यवहार में परिवर्तनों के कारण, विशेष रूप से ई–कॉमर्स और डिजिटल भुगतान में, जो खरीदारी आदतों और खर्च पैटर्न पर प्रभाव डालते हैं।

3. उपभोक्ता व्यय व्यवहार के विभिन्न आय वर्गों के बीच अंतर–

उपभोक्ता व्यय व्यवहार विभिन्न आय वर्गों के बीच भिन्न होता है, जो विभिन्न आर्थिक परिस्थितियों और प्राथमिकताओं के परिणाम होते हैं। निम्नलिखित तालिका इन अंतरों को दिखाता है–

आय वर्ग	व्यय पैटर्न
कम आय	मुख्यत: खाद्य, आवास और स्वास्थ्य जैसी आवश्यक जरूरतों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रतिबंधी खर्च कम।
मध्यम आय	आवश्यक और परियोजनात्मक वस्तुओं के बीच व्यय का संतुलन। भ वष्य की जरूरतों और आपातकालीन सं वदाओं के लए अ धकांश बचत करना।
उच्च आय	अ धक खर्च लक्ष्य, यात्रा, और मनोरंजन गति व धयों पर। अ धक खाली धन बचत और नवेश के लए उपलब्ध होता है।

निष्कर्ष– आय अस्थिरता एक गंभीर मामला है जो व्यक्तियों, परिवारों, और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इस अध्ययन के माध्यम से हमने देखा कि आय अस्थिरता के कई प्रमुख परिणाम हैं, जैसे कि उपभोक्ता व्यय व्यवहार में परिवर्तन, श्रम बाजार और आर्थिक स्थिति पर प्रभाव, और आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय पर प्रभाव। इसके अलावा, हमने यह भी देखा कि विभिन्न आय वर्गों के बीच उपभोक्ता व्यय व्यवहार में भिन्नता कैसे होती है। इस संदर्भ में, ध्यान देने योग्य है कि आय अस्थिरता को कम करने और आर्थिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सशक्त नीतियों की आवश्यकता है। विशेषकर, विभिन्न आय वर्गों के लिए समान विकास के लिए उपभोक्ता व्यय व्यवहार में बदलावों को समझना महत्वपूर्ण है।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

सन्दर्भ गन्थ सूची–

1 ब्लंडेल, रिचर्ड, लुइगी पिस्ताफेरी, और इटे सपोर्टा–एकस्टेन। ''उपभोग असमानता और पारिवारिक श्रम आपूर्ति।'' अमेरिकी अर्थव्यवस्था समीक्षा, अंक। 103, नहीं. 3, 2013, पृ. 193–198।

2 कैरोल, क्रिस्टोफर डी., एट अल। ''चिपचिपी उम्मीदें और उपभोग की गतिशीलता।'' अर्थशास्त्र का त्रैमासिक जर्नल, खंड। 127, नहीं. 2, 2012, पृ. 619–665।

3 डायनान, करेन ई., जोनाथन स्किनर, और स्टीफन पी. जेल्डेस। ''क्या अमीर अधिक बचत करते हैं?'' जर्नल ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी, वॉल्यूम। 112, नहीं. 2, 2004, पृ. 397–444।

4 गुइसो, लुइगी, पाओला सैपिएन्जा, और लुइगी जिंगालेस। ''विश्वास, विकास और कल्याणरू नए साक्ष्य और नीतिगत निहितार्थ।'' वित्त की समीक्षा, खंड। 16, नहीं. 1, 2012, पृ. 197–230।

5 हॉल, रॉबर्ट ई., और एल्विन रबुष्का। फ्लैट टैक्स. दूसरा संस्करण, हूवर इंस्टीट्यूशन प्रेस, 2007।

6 जपेल्ली, टुल्लियो, और लुइगी पिस्ताफेरी। ''राजकोषीय नीति और एमपीसी विषमता।'' जर्नल ऑफ पब्लिक इकोनॉमिक्स, वॉल्यूम। 95, नहीं. 7–8, 2011, पृ. 983–998।

7 कपलान, ग्रेग, और अन्य। ''घरेलू ऋण और व्यापक आर्थिक उतार–चढ़ाव।'' इकोनोमेट्रिका, वॉल्यूम। 83, नहीं. 3, 2015, पृ. 1129–1161।

8 पिकेटी, थॉमस. इक्कीसवीं सदी में राजधानी। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2014।

9 रीस, रिकार्डो। ''पुर्तगाली मंदी और दुर्घटना और यूरो संकट।'' आर्थिक गतिविधि पर ब्रूकिंग्स पेपर्स, वॉल्यूम। 44, नहीं. 1, 2013, पृ. 143–210।

10 रोमर, क्रिस्टीना डी., और डेविड एच. रोमर। ''कर परिवर्तन के व्यापक आर्थिक प्रभाव– राजकोषीय झटके के एक नए उपाय पर आधारित अनुमान।'' अमेरिकी अर्थव्यवस्था समीक्षा, अंक। 100, नहीं. 3, 2010, पृ. 763–801।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 13 Issue 09, September- 2023
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

11 सैज, इमैनुएल। ''स्ट्राइकिंग इट रिचर– द इवोल्यूशन ऑफ टॉप इनकम्स इन युनाइटेड स्टेट्स।'' पाथवेज मैगजीन, स्टैनफोर्ड सेंटर ऑन पॉवर्टी एंड इनइक्वलिटी, वॉल्यूम। 2, नहीं. 1, 2012, पृ. 6–7.

12 स्टिग्लिट्ज, जोसेफ ई. असमानता की कीमत– कैसे आज का विभाजित समाज हमारे भविष्य को खतरे में डालता है। डब्ल्यू डब्ल्यू नॉर्टन एंड कंपनी, 2013।

13 समर्स, लॉरेंस एच. ''असमानता को समझना।'' अमेरिकी आर्थिक समीक्षा, खंड. 109, नहीं. 4, 2019, पीपी 1219–1237।